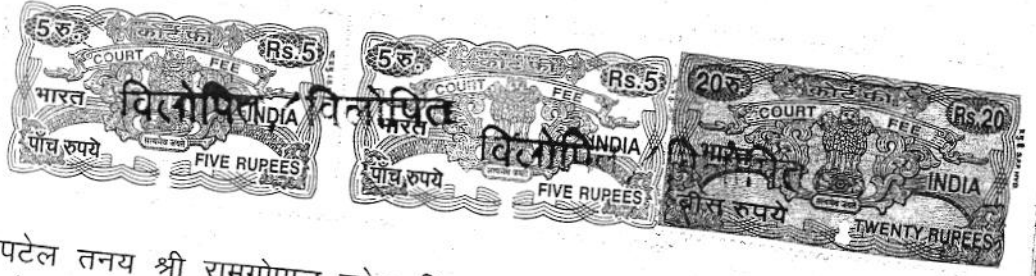


अपील- 5641/2018/रीवा/शु-शु
न्यायालय श्रीमान अध्यक्ष राजस्व मण्डल सर्किट कोर्ट रीवा (म.प्र.)



भगवादीन पटेल तनय श्री रामगोपाल पटेल निवासी ग्राम हर्दी, तहसील गुड
जिला रीवा (म0प्र0) ————— अपीलार्थी

बनाम

————— प्रत्यर्थी

शासन म0प्र0

अधि० श्रीमदि० श्री
चतुर्वेदी द्वारा प्रका
14-9-18 (M)

सर्किट अफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म० प्र० न्यायालय
(सर्किट कोर्ट) रीवा

106/अपील/17-18 श्रीमान अपर कमिश्नर
रीवा संभाग रीवा के द्वारा पारित ओदश
दिनांक 24.07.2018 के विरुद्ध अपील
अर्न्तगत धारा 44 (2) म0प्र0 भू राजस्व
संहिता 1959। ?

मान्यवर

अपील के आधार निम्न है :-

- 1- यहकि अधीनस्थ न्यायालय जो आदेश पारित किया उसकी अपील में जो आधार उन आधारों को प्रथम एवं अधीनस्थ न्यायालय ने निर्णीत नहीं किया विधिक व्यवस्था किसी भी बिन्दू को मान्य करने के लिए भले ही कारण न दर्शाया गया हो लेकिन अमान्य की दशा में समुचित कारण दर्शाया जाना चाहिए । अधीनस्थ न्यायालय को यह ध्यान देना चाहिए था कि जब अपीलांट का यह कथन था कि उसने कोई अवैध उत्खन्न नहीं किया तो केवल खानिज निरीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर जो अनुविभागीय अधिकारी गुड रीवा ने जो अपीलांट को उत्खन्न का आधार बनाकर शास्ति 3,89,280/-रु0 अधिरोपित करने का निष्कर्ष वह आदेश कायम रखने योग्य नहीं है तथा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा दिया गया आदेश विधि विरुद्ध होने से काबिल निरस्तगी योग्य है।
- 2- यहकि कथित प्रतिवेदन साक्ष्य नहीं जब तक प्रतिवेदन में वर्णित बिन्दू को प्रमाणित न किया जाय कि सम्बंधित भूमि का भूमिस्वामी कौन था।


(Signature)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक अपील-5641/2018/रीवा/भू-रा0

जिला- रीवा

भगवानदीन पटेल/ म0प्र0 शासन

(1)	(2)
18-12-18	<p>1. आवेदक की ओर से श्री आई0सी0 चतुर्वेदी अधिवक्ता द्वारा यह निगरानी अपर कमिश्नर, रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्रमांक 106/अपील/2017-18 में पारित आदेश दिनांक 24.07.2018 के विरुद्ध इस न्यायालय में दिनांक 14.09.18 प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>2. म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अन्तर्गत निगरानी सुनने की अधिकारिता इस न्यायालय को नहीं है। अतः आवेदक को सक्षम न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु मूलतः वापस किया जाता है। निगरानी की छायाप्रति प्रकरण के साथ रखी जाये।</p> <p>3. इस न्यायालय का प्रकरण समाप्त किया जाता है, तत्पश्चात् प्रकरण दा.द. हो।</p> <p style="text-align: right;">  सदस्य </p>